Raj Express (Indore), 13th July 2025, Page- 04

आईआईटी इंदौर में इस साल सबसे अधिक विद्यार्थी को मिलेगी डिग्री

जीवन को केवल सफलता के पैमाने पर न आंकें

- पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में 60 प्रतिशत की वृद्धि
- एमटेक की डिग्री प्राप्त करने वाले की संख्या में ढाई गुना वृद्धि
- आईआईटी इंदौर में बैच ऑफ-2025 का दीक्षांत समारोह

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर का 13 वां दीक्षांत समारोह शनिवार आयोजित हुआ। कुल 813 डिग्री प्राप्तकर्ताओं में से 707 समारोह में उपस्थित हुए। इस बैच में 340 बी.टेक, 1 बीटेक प्लस एम.टेक, 132 एम.टेक, 106 एमएससी, 131 पीएचडी, 28 एमएस (रिसर्च) और 75 एमएसडीएसएम छात्र शामिल थे। यह पहला मौका है जब आईआईटी इंदौर में सबसे अधिक विद्यार्थी को डिग्री मिली है। एचसीएल के सह-संस्थापक, पद्म भूषण डॉ. अजय चौधरी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

यही है वह विरासात जिसे आगे ले जाना है जरुरी: आईआईटी इंदौर के शासी मंडल के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा जब आपने पहली बार आईआईटी इंदौर में कदम रखा होगा, तो आप अपने साथ गहरी जिज्ञासा और अदम्य महत्वाकांक्षा लेकर आए होंगे। आज, आप न केवल इंजीनियर, वैज्ञानिक, शोधकर्ता और नवप्रवर्तक बनकर जा रहे हैं, बल्कि समस्या-समाधानकर्ता, सिस्टम-थिंकर और उभरते हुए लीडर भी बन रहे हैं। आगे बढ़ते हुए, अपने जीवन को केवल सफलता के पैमाने पर न आंकें। खुद से पूछें, क्या मैंने मूल्य सृजन किया है? क्या मैंने समाज की सेवा की है? क्या मैंने किसी और को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया है? यही वह विरासत है जिसे आगे ले जाना जरूरी है।

शैक्षणिक कार्यक्रमों में खास वृद्धि: आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने कार्यक्रम की मेजबानी की। प्रो. जोशी ने कहा, इस वर्ष 813 छात्र डिग्री प्राप्त कर रहे हैं, जो उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव और संस्थान के लिए गौरव का क्षण है। इस वर्ष के दीक्षांत समारोह को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनाने वाली बात हमारे शैक्षणिक कार्यक्रमों में खास वृद्धि है। हमें यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि इस वर्ष पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में लगभग 60 प्रतिशत और एमटेक की डिग्री प्राप्त करने वाले की संख्या में ढाई गुना वृद्धि हुई है। यह स्पष्ट रूप से आईआईटी इंदौर की अत्याधुनिक शोध और उन्नत शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

'बूटी फाउंडेशन गोल्ड मेडल' से सम्मानित किया गया मधु त्रिवेदी को

सिविल इंजीनियरिंग विभाग की मधु त्रिवेदी को सभी दो साल के मास्टर्स प्रोग्राम के सभी डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों के बीच सर्वोच्च सीपीआई हासिल करने वाली सर्वश्रेष्ठ महिला छात्रा के लिए 'बूटी फाउंडेशन गोल्ड मेडल' से सम्मानित किया गया। नए शुरू किए गए पुरस्कारों के दो प्राप्तकर्ता हैं, बायो साइंसेज एंड बायो मेडिकल इंजीनियरिंग के डॉ. तन्मय व्यास को विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट पीएचडी शोध प्रबंध के लिए अगम प्रसाद मेमोरियल गोल्ड मेडल मिला और कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के डॉ. आदित्य अंशुल को विभिन्न इंजीनियरिंग विभागों में किसी छात्र द्वारा उत्कृष्ट पीएचडी शोध प्रबंध के लिए गणित सुब्बा राव एंड गणित वेंकट रमानी पुरस्कार मिला। मानविकी-एवं सामाजिक विज्ञान के डॉ. जस्टी जोसेफको किसी महिला छात्रा द्वारा उत्कृष्ट पीएचडी शोध प्रबंध कार्य के लिए वीपीपी मेनन गोल्ड मेडल मिला। सिविल इंजीनियरिंग की पोलिसेट्टी साई मेघना को सभी डिग्री प्राप्त करने वाले बी.टेक. छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ बी.टेक. परियोजना का पुरस्कार मिला, जिसका प्रोजेक्ट शीर्षक था लचीले फुटपाथों में नए और पारंपरिक जियोग्रिड्स का प्रदर्शन तुलना, कार्बन फुटप्रिंट आकलन को शामिल करना।

इन्हें किया पुरस्कृत

कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के कदम माधव मुकुंद ने सभी यूजी छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के कृष अग्रवाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के हरमन सिंह बग्गा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के दिव्यम पांडे, सिविल इंजीनियरिंग के क्षितिज केसरवानी और मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग एंड मटेरियल्स साइंस के ईशान मोहन श्रीवास्तव अलग-अलग डिस्प्लिन के सभी डिग्री प्राप्त करने वाले यूजी छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए संस्थान स्जत पदक के प्राप्तकर्ता थे। एमएसडीएसएम कार्यक्रम के अमित कुमार एमएसडीएसएम कार्यक्रम के सभी डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए एमएसडीएसएम रजत पदक के प्राप्तकर्ता थे। एमएससी के सौमाल्य दास और एमटेक कार्यक्रम के ओमकार राजेश कोकणे ने भी सभी डिग्री प्राप्त करने वाले पीजी छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए संस्थान रजत पदक प्राप्त किया।